

'RBI must ensure safety of proposed cryptocurrency'

NEW DELHI: Welcoming the RBI's move to explore introduction of an official virtual currency in India, industry chamber Assocham on Sunday cautioned that extreme care be taken to ensure safety of the data trail that cryptocurrency transactions can leave behind.

Placing a ban on all regulated entities, including banks, from dealing in virtual currencies like bitcoins, the Reserve Bank of India said on Thursday that it is exploring a "fiat digital currency".

"Of course the inter-departmental study group of the RBI would examine all the safety aspects when it starts working on exploration of the cryptocurrency which has been introduced by private parties in several parts of the world and has attracted a lot of attention," an Assocham release said here.

"The need for safety is highlighted more by the recent and serious incidents of breach of the Facebook data of as many as 87 million users all over the world," the release said.

The industry body said that "it is quite pragmatic and courageous of the RBI to initiate exploratory steps towards the world of virtual currencies".

"A high level of coordination among all the central banks would be required along setting up some kind of a global oversight to guard against misuse of the new currency by the



anti-social elements, terrorists, enemy countries," it said.

"We cannot isolate ourselves from the ever rising number of technology platforms. Each and every individual who would be using the virtual currency must be protected against fraud, data leak, etc.", Assocham Secretary General D.S. Rawat said.

"Needless to say, the liability of the RBI as is the case with the hard currency would be clearly defined in the case of virtual currencies," he added.

Briefing reporters earlier this week in Mumbai, RBI Deputy Governor B.P. Kanungo said regulated entities already providing services to any individual or business dealing in digital currencies have been given three months to exit the relationship.

Noting, however, the benefits that blockchain technology, which underlies cryptocurrencies, can potentially bring

for financial inclusion and in increasing financial system efficiency, Kanungo said the central bank is exploring a "fiat digital currency".

"Several central banks are debating the possibility of introducing a fiat digital currency as opposed to the private digital tokens. These, issued by the central bank, are considered its own liability," he said.

"They will be in circulation in addition to the paper currency and also hold the promise of reducing the cost of printing of notes," he added.

According to investigation agencies here, with the demand and price of cryptocurrencies on the rise, cyber criminals have found innovative ways to dupe those looking to invest.

Bitcoins in India have been trading at more than Rs 10 lakh each, while people are investing amounts ranging from Rs 3,000 to several lakhs of rupees. IANS

बयान

एसोचैम ने आरबीआई के आधिकारिक आभासी मुद्रा लाने के प्रस्ताव का किया स्वागत, कहा

आरबीआई 'क्रिप्टोकॉरेंसी' की सुरक्षा सुनिश्चित करे : एसोचैम

नई दिल्ली, 8 अप्रैल (एजेसियां)। उद्योग संगठन एसोचैम ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के देश में आधिकारिक आभासी मुद्रा लाने के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए रविवार को कहा कि क्रिप्टोकॉरेंसी के कारोबार में डाटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। आरबीआई ने बैंक समेत सभी नियंत्रित कंपनियों के बिटकवाइन जैसी आभासी मुद्राओं में कारोबार पर रोक लगाते हुए कहा कि वह वैध डिजिटल मुद्रा लाने पर विचार कर रहा है।

प्रौद्योगिकी के मंचों की संख्या में निरंतर हो रही वृद्धि से हम अपने आपको अलग-थलग नहीं रख सकते। धोखाधड़ी, डाटा लीक आदि से आभासी मुद्रा का उपयोग करने वाले हर व्यक्ति को अवश्य सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए।
- डी.एस. रावत, एसोचैम के महासचिव

एसोचैम ने एक विज्ञप्ति में कहा कि आरबीआई जब क्रिप्टोकॉरेंसी लाने की दिशा में काम शुरू करेगा तो निस्संदेह इसका अंतर-विभागीय अध्ययन समूह आभासी मुद्रा की सुरक्षा संबंधी सभी पहलुओं का परीक्षण करेगा। क्रिप्टोकॉरेंसी निजी तौर पर



दुनिया के विभिन्न भागों में उपयोग में है और इसके प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ा है। उद्योग संगठन ने कहा कि हाल ही में इसकी सुरक्षा की जरूरत पर ज्यादा ध्यान दिया गया है, क्योंकि तकरीबन 8.7 करोड़ फेसबुक यूजर के डाटा में सेंधमारी की

गंभीर घटनाएं सामने आई हैं। एसोचैम ने कहा कि आभासी मुद्रा जगत के लिए आरबीआई के ये कदम बिल्कुल व्यावहारिक और साहसिक हैं।

एसोचैम के महासचिव डी.एस. रावत ने कहा कि प्रौद्योगिकी के मंचों की संख्या में निरंतर हो रही वृद्धि से हम अपने आपको अलग-थलग नहीं रख सकते। धोखाधड़ी, डाटा लीक आदि से आभासी मुद्रा का उपयोग करने वाले हर व्यक्ति को अवश्य सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। भारत में हर बिटकवाइन का कारोबार 10 लाख रुपए से ज्यादा है, जबकि लोग इसमें 3,000 रुपए से कई लाख रुपए निवेश कर रहे हैं।

क्रिप्टोकॉरेसी शुरू करने के फैसले का स्वागत

नई दिल्ली (आईएनएस)। उद्योग संगठन एसोचैम ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के देश में आधिकारिक आभासी मुद्रा लाने के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए रविवार को कहा कि क्रिप्टोकॉरेसी के कारोबार में डाटा की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आरबीआई ने बैंक समेत सभी नियंत्रित कंपनियों के बिटकवाइन जैसी आभासी मुद्राओं में कारोबार पर रोक लगाते हुए कहा कि वह वैध डिजिटल मुद्रा लाने पर विचार कर रहा है। एसोचैम ने कहा, 'आरबीआई जब क्रिप्टोकॉरेसी शुरू करेगा तो सुरक्षा संबंधी सभी पहलुओं का परीक्षण करेगा।'